



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 379] नई विल्सो, सोमवार, सितम्बर 18, 1995/भाद्र 27, 1917
No. 379] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 18, 1995/BHADRA 27, 1917

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मेंशास्य

इकम्पनी कार्य विभाग।

अधिसूचना

नई विल्सो, 18 सितम्बर, 1995

सा. क्र. नि. 640[ग]—केन्द्रीय सरकार, अधिसूचना सं. क्र. नि. 792[ग], तारीख 18-9-1990 के क्रम में, और कम्पनी अधिनियम, 1956 [1956 का 1] को धारा 294कक की उप-धारा [1] धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय होने पर कि नीचे दी गई सारणी में विनिर्विष्ट माल के प्रबंध के लिए मीग, ऐसे माल के उत्पादन या प्रबाय से पर्याप्ततः अधिक है और एकमात्र विक्रय अभिकर्ताओं की सेवाएँ, ऐसे माल के लिए बाजार का सुजन करने के लिए आवश्यक नहीं रोगी, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पौच वर्ष की और अवधि के लिए भारत में ऐसे माल के विक्रय के लिए किसी कम्पनी द्वारा एकमात्र विक्रय अभिकर्ताओं की नियुक्ति नहीं की जाएगी।

सारणी

1. सीमेट
2. कागज

[फा. सं. 3/8/95-सी. एल.-5]

आर. डी. जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS**(Department of Company Affairs)****NOTIFICATION .**

New Delhi, the 18th September, 1995

G.S.R. 640(E).—In continuation of Notification No. G.S.R. 792(E) dated 18-9-1990 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 294AA of the Companies Act, 1956 (l of 1956), the Central Government being of the opinion that the demand for the category of goods specified in the Table below is substantially in excess of the production or supply of such goods and that the services of the Sole Selling Agents will not be necessary to create a market for such goods, hereby declares that Sole Selling Agents shall not be appointed by any Company for the sale of such goods in India for a period of five years from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

TABLE

1. Cement

2. Paper

[F. No. 3/8/95-CL.V]
R. D. JOSHI, Jt. Secy.